21. हलीम चला चाँद पर

हलीम ने एक दिन सोचा, आज मैं चाँद पर जाऊँगा।

वह रॉकेट के कारखाने में गया

और एक रॉकेट पर बैठकर चल दिया।

© NCERT not to be republished

चलते-चलते अँधेरा हो गया।
हलीम को डर लगने लगा।
उसको तो चाँद तक का
रास्ता पता नहीं था।

थोड़ी देर में उसने
चाँद देखा और
वह खुश हो गया।

© NCERT not to be republished

चाँद पर हलीम को
खूब सारे गड्ढे दिखे
और बड़े-बड़े पहाड़
भी। लेकिन वहाँ
कोई पेड़ या
जानवर नहीं थे।
लोग भी नहीं।

हलीम ने सोचा – ये
भी कोई जगह है!

चलो वापिस घर चलें।
वह रॉकेट में बैठकर
घर लौट आया।

© NCERT not to be republished

रास्ते में क्या देखा?

हलीम को रास्ते में क्या-क्या दिखा होगा?

....

....

....

....

कहाँ जाओगे?

हलीम चाँद पर जाना चाहता था। तुम कहाँ जाना चाहती हो? कैसे जाओगी?

कहाँ	कैसे

© NCERT not to be republished

डर

हलीम को अँधेरे से डर लगता था।

तुम्हें कब-कब डर लगता है?

....

....

फिर तुम क्या करते हो?

....

....

चाँद और सूरज का चित्र बनाओ।

© NCERT not to be republished